Annual Report

(April, 2020 to March, 2021)

GMSSS

WORKING FOR SOCIAL CHANGE

District - Janjgir-Champa & Korba (C.G.)

Submitted By :

Grammitra Samaj Sevi Sanstha Champa

Reg.Office : Kadam Chowk, post champa 495671

Admin.Office : Ward No.19, Sahid Smarak Road,champa

Field Office : Hati Road Kartala (Korba)

Champa-495671, Contact No. : 9424161505, 9303061505

Email ID - grammitracg@gmail.com

प्रस्तावना

ग्राममित्र एक स्वैच्छिक संस्था है जो जांजगीर–चाम्पा जिले में रजिस्टर्ड है। ग्राममित्र जांजगीर–चाम्पा एवं कोरबा जिले में शिक्षा, स्वास्थ्य एवं आजीविका पर कार्य कर रही है। जिसमें समुदाय को शासन की योजना का लाभ मिल सकें। इसी के तहत संस्था द्वारा समेकित बाल विकास योजना के अंतर्गत कोरबा जिले में संचालित आंगनबाड़ी केन्द्रों, स्कूलों का सर्वांगिण विकास एवं 35 गावों में निवासरत् आदिवासी परिवार में गुणात्मक सुधार हो इस हेतु उनके जीवन को बेहतर बनाने हेतु संस्था सतत् प्रयासरत् है। जिस हेतु इस पत्रिका में संक्षिप्त विवरण है।

आभार

प्रिय साथियों,

सादर जोहार

जैसा कि आप जानते है कि ग्राम मित्र समाज सेवी संस्था एक पंजीकृत अलाभकारी गैर शासकीय संस्था है। जो 1999 में फर्म्स एवं सोसाईटी के अंतर्गत छ.ग. में पंजीकृत है। संस्था का कार्यक्षेत्र कोरबा जिला के कोरबा एवं करतला विकासखण्ड में ग्रामीण विकास में कार्यरत है। साथ ही जिला जांजगीर–चाम्पा में स्वास्थ्य के क्षेत्र में कार्य कर रही है। हम आप सभी के सहयोग के लिए अभारी है, जो हमें लगातार सहयोग कर रहें है।

वार्षिक प्रगति प्रतिवेदन

2020–21

कोविड 19 करोना महामारी के कारण पूरे देश में अप्रैल–2020 से लाक डाउन 3 माह का लगाया गया था जिससे लोग अपने काम धंधा बंद कर घरो में रहने को मजबूर थे इस बिमारी में संक्रमण एक दूसरे से फैलता है और इसको कोई सटीक दवा नहीं है। इस दौरान लोगो को रोजगार पर नहीं जाने से भूखे रहने की स्थिति थी, सरकार द्वारा चावल एवं कुछ मात्रा में दाल दिया गया था, फिर ग्रामीण क्षेत्र बच्चों के भोजन एवं पोषण के लिए उच्च गुणवत्ता पूर्ण भोजन नहीं मिल पा रहा था।

संस्था द्वारा कार्यक्षेत्र में स्थिति से अवगत कराया गया एवं एक माह का दाल, चावल, मशाला, तेल आदि की मांग की गयी जिससे आक्सफाम इंडिया द्वारा क्षेत्र में 300 परिवारो को 25 किलो चावल, 2 किलो दाल, मशाला, तेल, नमक, चना, गुड़, सोयाबीन बड़ी का वितरण किया गया ।

P.D.S. संचालन – संस्था के कार्यकर्ता द्वारा कार्यक्षेत्र 19 गांवो में P.D.S. में वितरण किये जा रहे राशन को कोविड–19 गाइड लाईन के द्वारा मास्क लगाकर 6 फिट की दूरी एवं गोला बनाकर जागरूक किया गया। पाम्फलेट वितरण भी सभी गावो में किया।

दिवाल लेखन– क्षेत्र के सभी गांवो में कोविड 19 जागरूकता हेतु दिवाल लेखन का भी कार्य किया गया। जिसमें मास्क लगाना, साबुन से हाथ धोना, अनावस्यक भीड़ भाड़ वाले स्थान में जाने से बचना तथा पौस्टिक खाद्य पदार्थ लेना।

साबुन वितरण – संस्था द्वारा सभी आगनवाड़ी कार्यकर्ता मितानिन एवं महिला मंडल को साबुन एवं मास्क वितरण किया गया। 350 किशोरी वालिकाओं को सेनटरी पैड वितरण किया गया।

पाम्पलेट के द्वारा जनजागरूकता – संस्था द्वारा प्रत्येक गांव में कोविड महामारी के बचाव हेतु पाम्पलेट वितरण कर जागरूक किया गया।

परियोजना के लक्ष्य की प्राप्ति हेतु मुख्य गतिविधियां

- ❖ महिला सशक्तिकरण हेतु महिला मण्डल का गठन।
- ❖ बच्चों के लिए बाल मंच का गठन।
- ❖ शिक्षा संबंधी समस्याओं पर एडवोकेसी कार्य।
- ❖ दुग्धपान हेतु सामुदायिक जागरूकता।
- ❖ स्कूल आंगनबाड़ियों में शत प्रतिशत बच्चों का दाखिला हेतु अभियान।
- ❖ शिक्षकों को नियमित रूप से पढ़ाने हेतु प्रेरित करना।
- ❖ स्कूल प्रबंधन समिति को सक्रिय करते हुए उनका क्षमता निर्माण।
- ❖ कार्यकर्ताओं का क्षमतावर्धन।
- ❖ कार्यक्षेत्र के गांव में स्वास्थ्य शिविर।
- ❖ कार्यक्षेत्र के गांव में बाल संदर्भ शिविर कार्यक्रम।
- ❖ समुदाय के साथ महिला दिवस कार्यक्रम।

संस्था द्वारा संचालित अन्य गतिविधियां

किशोरी बालिकाओं के समस्या समाधान – कोविड 19 महामारी के कारण क्षेत्र में लाकडाउन लगाया गया था, जिसमें ग्राममित्र के कार्यकर्ता प्रशासन द्वारा परिचय पत्र बनाकर अपने क्षेत्र के गांव में उस बिमारी के बारे में जागरूकता किये थे। उसी दौरान कुछ समस्या निकल कर आयी थी जिसमें किशोरी बालिकाओं को सेनटरी पैड की उपलब्धता नहीं हो पा रही थी जिसे हमारी संस्था ने कार्यक्षेत्र के 300 किशोरी बालिकाओं को सेनटरी पैड वितरण कराया गया।

महिला मण्डल – कार्यक्षेत्र में दूसरे प्रदेश से वापसी किये हुए श्रमिक को कोराईन्टीन सेंटर में भोजन एवं रहने का प्रबंधन आदि का देख रेख महिला मण्डल द्वारा किया गया था कुछ लोगो को राशन उपलब्ध नहीं हो पा रहा था जिसे सरपंच के द्वारा राशन कार्ड बनाया गया तथा कुछ लोगो को राशन कार्ड नहीं होने पर भी PDS के द्वारा राशन दिलाया गया, रोजगार गारंटी कार्य खुल जाने से उन्हें रोजगार कार्य दिलाया गया। एवं उनके बच्चों को खेल सामाग्री तथा गुड़ चिवड़ा एवं सोयाबिन बड़ी वितरण कराया गया।

मोहल्ला क्लास – बच्चों की पढ़ाई प्रभावित हो रहा था जिसे मुहल्ला क्लास के द्वारा बच्चों को अलग–अलग जगहों में बैठाकर पढ़ाई कराया गया। जिसमें स्थानीय शिक्षित युवाओं का सराहनीय सहयोग रहा।

कोविड टिकाकरण – कार्यक्षेत्र में 60 वर्षो से ऊपर बुजुर्गों को टीकाकरण काराने हेतु प्रेरित किया गया एवं गांव–गांव में पाम्पलेट वितरण कर टीकाकरण के लिए प्रेरित किया गया, जिससे 95 प्रतिशत टीकाकरण हो सका क्षेत्र में स्थिति CHC, PHC से लगातार सम्पर्क कर मास्क सेंनेआईजर आदि वितरण कराया गया।

पोषण पुर्नवास केन्द्र – करतला स्थित पोषण पुर्नवास केन्द्र कोविड के कारण बंद था जिसे B.M.O. से मिलकर पुनः प्रारम्भ कराया गया तथा कुपोषित बच्चों को भर्ती कराया गया जिससे वे स्वस्थ हो कर वापस जा सकें।

शिक्षको का क्षमता वर्धन– कार्य क्षेत्र में स्थित 10 स्कूल के शिक्षको को टीचिंग लर्निग मटेरियल के द्वारा बच्चों को शिक्षण को कराने हेतु प्रशिक्षण दिया गया। जिससे सभी शिक्षक अपने–अपने स्कूल में लागू कर रहें है।

साथ ही मोबाईल के द्वारा आन लाईन कक्षा का संचालन किया जा रहा था परन्तु सभी बच्चों के पास मोबाईल उपलब्ध नहीं था जिससे उन्हे मोहल्ला क्लास से जोड़कर पढ़ाई कराया गया।

कोविड के दौरान संस्था द्वारा सामाग्रीयों के वितरण का विवरण

कार्य क्षेत्र में 350 परिवारों को निम्न सामाग्री वितरण किया गया–

1. लिक्विड साबुन आगंनबाड़ी कार्यकर्ता
2. Mask N-95 आगंनबाड़ी कार्यकर्ता
3- Handwash Lequid CHC, PHC, Sub-center
4- Soap Bar - 350 Family
5- Sanitary Pad – 350 Adolescent Girls
6- 600 बच्चों को खेल सामाग्री एवं शिक्षण सामाग्री का वितरण किया गया।

शिक्षा के क्षेत्र में गैर बराबरी दूर करने हेतु विभिन्न कार्यक्रम किये गये– स्थानीय ग्रामीण युवाओं का चयन जिसमें वे अपने गांव के बच्चों को शिक्षा के प्रति जागरूक कर सके। उन्हें शिक्षामित्र के रूप में चिन्हांकित किया गया वे शिक्षा मित्र प्रत्येक गांव में 6 से 18 वर्ष के बच्चों को स्कूल भेजने एवं कोविड के कारण स्कूल बंद होने के कारण स्थानीय स्तर पर पढ़ाई कराना एवं उन्हें साफ – सफाई तथा लड़कियों को सेनेटरी पेड उपलब्ध कराना एवं खून की कमी को दूर करने हेतु आयरन गोली दिलवाना तथा पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराना। घर में किचन गार्डन लगाना तथा समय–समय पर स्वास्थ्य जॉच कराना। बाल विवाह एवं बालश्रम को रोकने के लिए बैठक कर जागरूकता करना। शिक्षामित्र 12 वीं पास हैं।

आंगनबाड़ी का सर्वेक्षण एवं रिपोर्ट– संस्था द्वारा 18 ऑगनबाड़ी का सर्वे कर रिपोर्ट बनाया गया जिसमें निकलकर आया कि कुछ ऑगनबाड़ी का भवन नहीं है। कहीं कहीं पर वजन मशीन सही कार्य नहीं कर रहा है। कहीं पर ECCE के अनुसार नहीं हो रहा था।

सूखा राशन वितरण :– कोविड–19 में लॉक–डाउन के कारण पहाड़ी कोरवा, बिरहोर, मंझवार आदिवासी समाज में सूखा राशन की कमी हो गई। क्योंकि बाहर आना जाना बंद हो गया एवं बाहर से कुछ सामान नहीं आ पा रहा था। स्थानीय दुकान में तेल नमक मिलना कम हो गया था इस परेशनी को देखते हुए संस्था द्वारा दानदाता संस्थाओं को अवगत कराया गया जिससे जिले के 400 पहाड़ी कोरबा एवं अत्यंत पिछड़े परिवार को सूखा राशन वितरण किया गया जिसमें 30 किलो चॉवल, 2 किलो दाल, शक्कर सायाबीन बड़ी नमक, तेल, मसाल, चना 1 माह का राशन सामाग्री वितरण किया गया। जिससे इस महामारी में उक्त सहयोग से लोगों को बहुत लाभ हुआ। इस कार्य में स्थानीय प्रशासन, कार्यकर्ता, जनप्रतिनिधि का विशेष सहयोग रहा। यह वितरण एल.आई.सी. फाउण्डेशन के द्वारा ऑक्सफाम इंडिया द्वारा कराया गया।

रोड सेफ्टी ऐडवोकेसी कार्यक्रम :– यह कार्यक्रम सड़क परिवहन एवं नेशनल हाईवे मंत्रालय के सहयोग से जिला जांजगीर चांपा में किया गया जिसका थीम था "सड़क सुरक्षा जीवन रक्षा" जिसमें सभी 9 विकासखण्डों में रथ यात्रा के द्वारा जनजागरूकता किया गया। नुक्कड़ नाटक के माध्यम से चौक–चेराहों पर हेलमेट लगाकर गाड़ी चलाने एवं नाबालिक को गाड़ी ना चलाने एवं सुरक्षित व शराब पीकर गाडी ना चलाने की सलाह दी गई। इसी कड़ी में जिला स्तरीय कार्यक्रम किया गया। जिसमें पुरे जिले के छात्र जनप्रतिनिधि, पुलिस विभाग एवं आम नागरिकों ने भाग लिया। पुरे जिले में फ्लेक्स एवं पामप्लूट तथा मोटर साईकल से यात्रा निकालकर जागरूक किया गया। यह कार्यक्रम जिला पुलिस यातायात विभाग एवं पुलिस अधीक्षक के विशेष सहयोग से संपन्न हुआ।

जांजगीर चांपा जिले में संचालित लक्ष्यगत हस्तक्षेप परियोजना का विवरण

जांजगीर–चांपा जिला पूर्व में बिलासपुर जिले के अंतर्गत आता था साथ ही यह अविभाजित बिलासपुर जिले में एक तहसील के रूप में था। छोटे जिले की कल्पना ने इसे साकार रूप दिया और 25 मई 1998 को जांजगीर चांपा जिले का गठन हुआ। जांजगीर–चांपा जिला, छत्तीसगढ़ राज्य के 27 जिलों में से एक प्रमुख जिला है। यह 8 तहसील, 9 विकासखण्ड, 889 ग्राम में विभक्त है। राज्य की भांति जिले में भी नगरों का समुचित विकास नहीं हो पाया है फिर भी पर्याप्त भूमि, श्रम तथा अन्य आवष्यक संसाधनों की पूर्ति के कारण जिले में लोहा, सीमेंट तथा कागज के वृहद उद्योग तथा प्राथमिक क्षेत्र के व्यवसाय से संबंधित उत्पादन कोसा, कांसा, कंचन की नगरी के करीगरों द्वारा भारत में अपनी अनुपम पहचान बनाये रखा है।

जांजगीर–चांपा राष्ट्रीय राजमार्ग 49 में स्थित है। यहॉ वर्तमान में अनेक प्लॉट जिसमें वर्धा, मड़वा, डी.बी.पावर, आर.के.एम., एथेना प्लांट, आदि अनेक पावर प्लॉट का कार्य प्रारंभ हो चुका है। यहॉ 20000 से 25000 के मध्य माईग्रेंट जिले में कार्य कर रहें हैं। भविष्य में दो गुना से अधिक माईग्रेंट आने की संभावनाऍ है। जिला जॉजगीर चांपा पावर हब बनने जा रहा है जिसमें माईग्रेंट आना स्वाभाविक है और एच.आई.वी./एड्स का विस्तार इन माईग्रेंट में माध्यम से तीव्रगति से फैलती है। अभी इस जिले में लक्ष्यगत परियोजना के संचालित होने से उनके मध्य इसके बचाव व प्रबंधन,माईग्रेंट के मध्य विभिन्न गतिविधि के माध्यम से किया जा रहा है ताकि उन्हे एच.आई.वी./एड्स से बचाया जा सके।

<u>Available facilities in the project district:</u> Information of janjgir champa District of Chhattisgarh

S. N.	Available Items	Units	S. N.	Available Items	Units
1	District Name	Janjgir Champa	8	Blood Bank	1
2	DistrictHospital	1	9	Blood Storage Centers	1 Janjgir DH
3	CHC	8	10	STD clinics	1
4	PHC	40	11	ART/link ART Centers	1
5	ICTC	5	12	TI	2
6	FICTC	8	14	Sentinel Sites	1
7	PPTCT	0	15	No of HIV+ cases	390

Major Achievement during project implementation (प्रोजेक्ट कार्यालय के समय की गई मुख्य उपलब्धियॉ**)**

Particular	**In Numbers**	**In %**
HRG Target of last year (Denominator)	10000	
Number of total registered HRG	8184	81.84%
Active coverage of HRG as on March, 2016	30636	76.59%
Number of Hot Spots Identified	75	
Number of hotspots covered during the year	75	100%
HIV TESTING		
Number of HRG referred for HIV testing (April, 2016 to March 2017)	3288	109.6%
Number of HRG tested for HIV (April, 2016 to March 2017)	2855	95.16%
Number of HRG found HIV positive (April, 2016 to March 2017)	3	0.10%
Number of individual HRG tested for HIV once in a year	2855	95.16%
Number of positive HRG linked with ART Center	3	100%
Total no of HIV positive HRG till date from inception	9	
Total no of positive HRG linked with ART till date from inception	3	100%
Total Number of positive HRG started ART from inception	1	30.33%
STI SERVICES		
Static clinic established & Functional (Yes/No)	-	
Total Number of PPP Identified	3	
Total number of trained PPPs	3	100%
Number of non MBBS PPPs	3	100%
Number of PPPs providing STI services	3	100%
Total HRG visited Clinics for STI services (Apr. 2016 to March, 2017)	5845	73.06%
Total number of Individual HRG availed STI services during year	3508	-
Number of Individual HRG treated for STI during the year	33	78.57%
VDRL test conducted during the year	2513	83.76%
Commodities Distribution		
Total condom demand for the year	NA	
Total free condom distributed during the year	4575	NA
Total condom sold under social marketing during the year	11737	NA
Number of Committees formed	5	
STI committee meeting conducted	3	
Crisis management committee meeting conducted	2	
Project Monitoring Committee meeting conducted	3	
DIC Committee meeting conducted	2	
Condom Promotion Committee meeting conducted	2	

Qualitative Analysis of the achievements:

संस्था द्वारा नाकों तथा छ.ग.राज्य एड्स नियंत्रण समिति रायपुर के दिशा निर्देशों का पालन करते हुए सभी कंपोनेंट अनुरूप कार्य किया तथा संस्था को वर्ष 2011–12 में उत्कृष्टता का पुरूस्कार भी मिला है। संस्था द्वारा टी.आई.प्रोजेक्ट में 2 डी.आई.सी. कंपनी के सहयोग से बिना किराया के चलाया जा रहा है। आई.सी.टी.सी. की दूरी के बावजूद 2855 लोगों का एच.आई.वी. जांच कराया गया। इस वर्ष 2016–17 में 8184 लोगों का पंजीयन कराया गया। स्वास्थ्य शिविर 240 किया गया जिसमें 5762 लोगो की जॉच किया गया व 2513 लोगों का आर.पी.आर. जॉच कराया गया, इस वित्तीय वर्ष में 3 प्रवासी मजदूर एच.आई.वी. पॉजिटिव पाये गये हैं जिन्हे ए.आर.टी. बिलासपुर में लिंक कराया गया है तथा 2 लोगों का सी.डी.4 कम होने के कारण ए.आर.टी. मेडिसीन प्रारंभ किया जा चुका है।

S.N.	Activity	Target	Achivement
1	Registration	10000	8184
2	Health Camp	240	240
3	Mid Media Activity	24	24
4	HIV Testing	3000	2855
5	Found HIV Positive	0	3
6	Link With ART	3	3
7	Syphilis Screnning	3000	2513
8	SM Condom Out let Stablised	50	55
9	Congregation Event	8	13
10	Demand Genetration Activity	24	27

Challenges-

- फिल्ड से आई.सी.टी.सी. एवं अस्पताल की दूरी कुछ क्षेत्रों में 40 कि.मी. के लगभग है।
- पी.एल का बैंक अकाऊंट खुलवाना।
- फिल्ड की दूरी।
- आऊट रिच वर्कर द्वारा सुबह 7 से पहले अथवा शाम 6 के बाद माईग्रेंट के अनुसार समय पर पहुंच कर उनके व्यस्त समय में बात करना।
- प्लांटों एवं फैक्टरियों में अनुमति लेना।
- माईग्रेंट को आई.सी.टी.सी. में जॉच हेतु तैयार करना।

Learning's-

- माईग्रेंट को उनके साथ खुलकर बात करने पर अपनी बात शेयर करते हैं।
- उनके क्षेत्रिय भाषा के माध्यम से आसानी से बात किया जा सकता है।
- माईग्रेंट से पूर्व उनके ठेकेदार को कन्वेंस करने से माईग्रेंट आसानी से आपके बातों पर ध्यान देते हैं।

Program Photo

सुरक्षा जागरूकता अभियान
जिला : जांजगीर–चाम्पा (छ.ग.)
सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय, भारत सरकार
हेलमेट वितरण
एवं
जिला पुलिस बल

सड़क सुरक्षा माह 2021
समापन समारोह
हेलमेट वितरण
एवं
बाईक रैली

MISSION SANJEEVANI
PROTECT SECURE PRESERVE 2.0
DISTRIBUTION OF DRY FOOD AND SAFETY
AND HYGIENE KITS IN KORBA, CHHATTISGARH
OXFAM
2021.07.08 15:40

VOLUNTARY SUPPORT BY:
OXFAM
India
MISSION SANJEEVANI
PROTECT SECURE
2.0
DISTRIBUTION OF DRY FOO AND SAFETY
AND HYGIENE KITS IN KORBACHHATTISG
2021.07.08 12:32

सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र करतला
विकासखण्ड-करतला, जिला-कोरबा (छ.ग.)
REDMI NOTE 5 PRO
MI DUAL CAMERA

2020-12-31 11:06

समाचार संकलन

शिक्षा में समानता पर स्वैच्छिक संस्थाओं और मीडिया की भागीदारी पर की चर्चा

भास्कर न्यूज | कोरबा

शहर के टॉप इन टाउन होटल में शुक्रवार को ग्राम मित्र समाज सेवी संस्था की ओर से शिक्षा में समानता पर स्वैच्छिक संस्थाओं और मीडिया की भागीदार पर चर्चा हुई। इसमें सामाजिक कार्यकर्ताओं और मीडिया से जुड़े लोगों के साथ संस्था ने अपनी बात साझा की।

डॉ. सागर आनंद ने बताया कि अब तक सरकारी और गैर सरकारी संस्थाएं समाज में अलग-अलग काम कर रही हैं, जिसे पीपीपी मोड यानी पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप के तहत सामंजस्य बना कर समाजसेवा करने यह संगोष्ठी आयोजित की गई। इसमें मीडिया

कार्यक्रम में उपस्थित लोग।

कार्यों को लोगों के बीच लाने के साथ उनसे सुझाव भी लिया जाएगा। समाजसेवी संस्थाओं के शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में विकास के लिए हो रहे प्रयासों में मीडिया को भागीदारी जरूरी है।

हरिभूमि

बिलासपुर - कोरबा भूमि
Date - 24 May'20

रबा हरिभूमि 10

ग्राम मित्र संस्थान ने गरीबों को किया राशन वितरण

हरिभूमि न्यूज ▶▶ करतला

ग्राम मित्र समाज सेवी संस्थान के तत्वावधान में ऑक्सफैम इंडिया के सहयोग से जिले के विकासखंड करतला एवं पाली के 15 गांव के जंगलों में निवासरत 200 विशेष पिछड़ी जनजातियों एवं प्रवासी श्रमिकों को सूखा राशन जिसमें चावल, दाल, चना, सोयाबीन बड़ी एवं नमक मिर्च आदि के साथ प्रत्येक परिवार को एक माह का राशन का वितरण किया गया। वर्तमान में कोविड-19 कोरोनावायरस संक्रमण से लॉकडाउन होने के कारण घने जंगलों और पहाड़ों पर निवास करने वाली जनजाति समुदाय द्वारा निर्मित वनोत्पाद, झोरी, झउहा, बांस का पंखा, टोकरी के अलावा सामूहिक खेती के कार्य और अन्य वस्तुओं की बिक्री रूकने से इनकी आय के साधन रुक गए हैं। जिसकी वजह से इन्हें समस्याओं से जूझने पड़ रहा है। इसकी जानकारी होते ही सामाजिक कार्यकर्ता सुनिला गुलशन, रामकुमार, अनिल, गुलशन, अशोक मरावी एवं ज्ञानचंद इंदुआ द्वारा इन गांवों में पहुंचकर यहां के ग्रामीणों को इस संक्रमण से बचने जानकारी दी गई। इस अवसर पर ग्राम सरपंच, सचिव, मितानिन, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता और पंचायत सहेलियों का भी योगदान रहा।